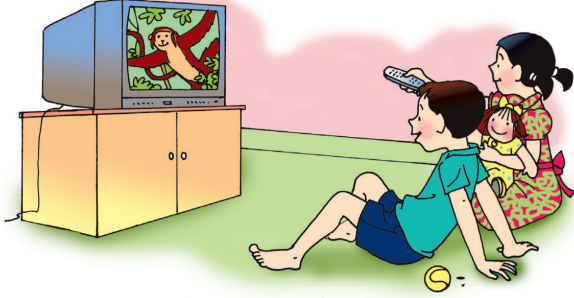


१५. संचार तथा प्रसार माध्यम

बताओ तो !



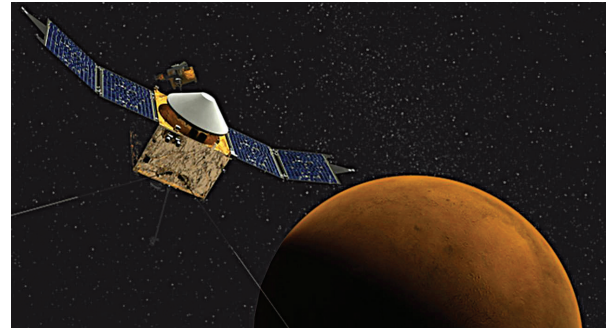
१. हम दूरदर्शन पर अनेक चैनलों के कार्यक्रम देखते हैं। ये दूरदर्शन पर कहाँ से आते हैं ?



२. मोबाइल पर हम दूसरों के साथ बातचीत करते हैं। हमारा संभाषण दूसरे व्यक्ति के साथ मोबाइल पर कैसे होता होगा ?



पहले प्रकरण में हमने अंतरिक्ष प्रक्षेपण तथा कृत्रिम उपग्रह के विषय में जानकारी प्राप्त की है। आधुनिक प्रणाली से किए जाने वाले संचार में कृत्रिम उपग्रहों का उपयोग किया जाता है। ये संदेश अत्यंत कम समय में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचते हैं। उदा. (१) विश्व के किसी भी भाग में होने वाले कार्यक्रम का सीधा प्रसारण हम दूरदर्शन पर देख सकते हैं। उदा. फुटबॉल, क्रिकेट मैच आदि। (२) मोबाइल द्वारा हम दूसरे देश के व्यक्ति के साथ सीधे बातचीत कर सकते हैं। (३) राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री रेडियो से सभी देशवासियों के लिए एक ही समय पर भाषण/संदेश दे सकते हैं।



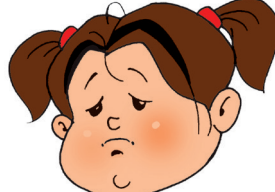
रॉकेट की सहायता से प्रक्षेपण करके कृत्रिम उपग्रह अंतरिक्ष में भेजे जाते हैं। उनका उपयोग संचार/संदेशवहन के लिए करते हैं।

क्या तुम जानते हो ?



भारत में संचार/संदेशवहन के लिए कृत्रिम उपग्रहों का सहारा लिया जाता है। ये उपग्रह इनसैट (INSAT-Indian National Satellite) के नाम से जाने जाते हैं।

बताओ तो !

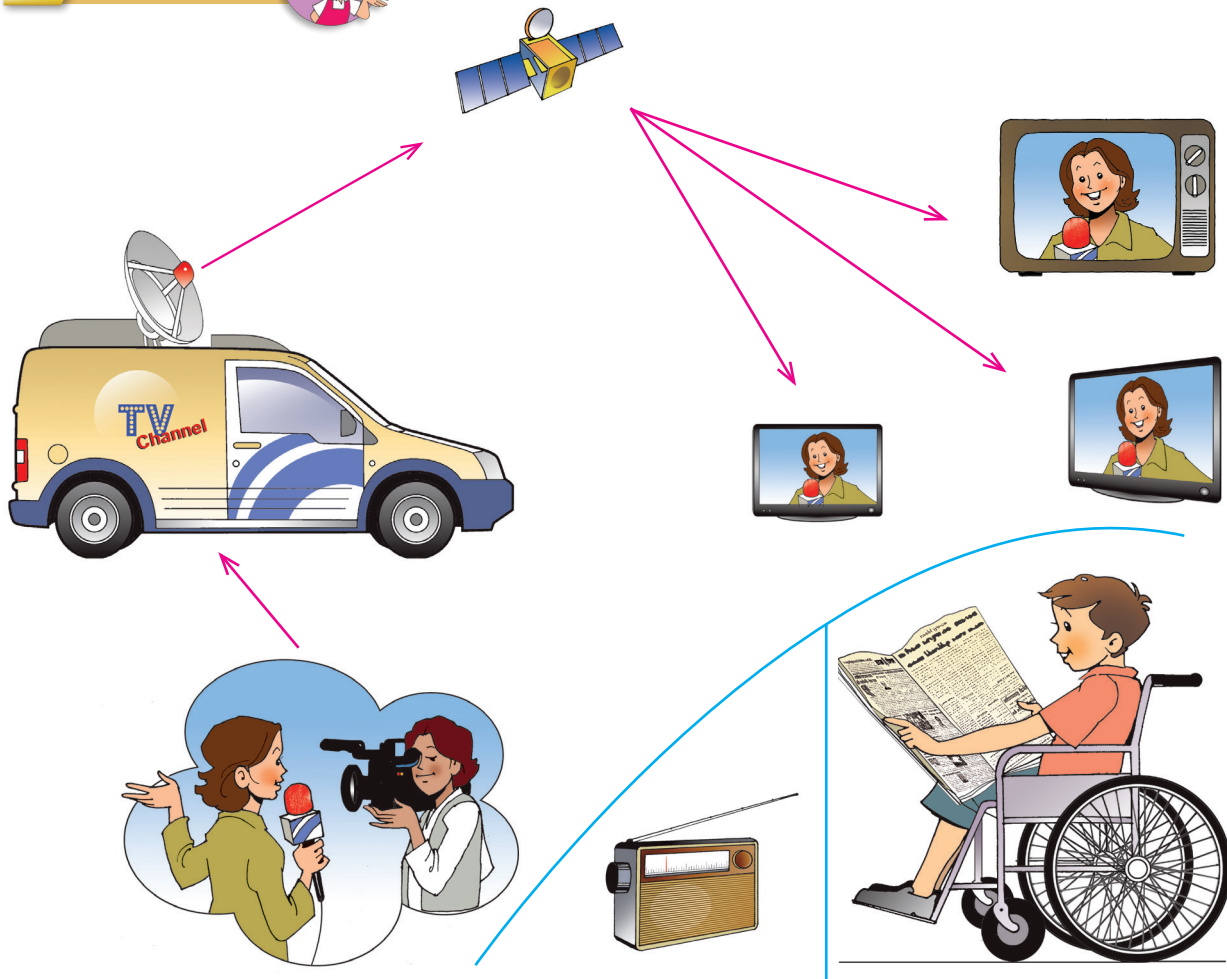


ऊपर के चित्रों का निरीक्षण करो । चित्रों में दर्शाए गए चेहरों से तुम्हें जिन भावों की जानकारी होती है; उन्हें संबंधित चेहरों के नीचे बनी चौखट में लिखो ।

चेहरे का भाव देखकर हम उस व्यक्ति की भावना समझ जाते हैं अर्थात चेहरे के भाव अथवा अन्य

हाव-भावों से हम तक संदेश पहुँचता है । संचार द्वारा हमें सूचना प्राप्त होती है । सूचना का आदान-प्रदान करने का अर्थ संचार है । सूचना का प्रसारण भी संचार का ही भाग है । सूचना का उपयोग ज्ञान निर्मिति के लिए होता है ।

बताओ तो !



संलग्न पृष्ठ के चित्रों का निरीक्षण करो। चित्रों में कौन-कौन-से प्रसार माध्यमों का उपयोग किया गया है, उसे चौखट में लिखो :

.....
.....
.....

समाचारपत्रों द्वारा हमें कौन-कौन-सी जानकारी मिलती है, उसका अंकन करो :

- | | | |
|-----------|---------|---------|
| ● शैक्षिक | ● ----- | ● ----- |
| ● ----- | ● ----- | ● ----- |

प्रसार माध्यमों के रचनात्मक प्रभाव

१. दूरस्थ व्यक्तियों के साथ सहजता से संपर्क किया जा सकता है।
२. सूचना प्राप्त करने तथा देने में लगने वाले समय तथा श्रम की बचत होती है।
३. पर्यावरण, स्त्री-पुरुष समानता, स्वच्छता आदि के प्रति जागरूकता बढ़ने में सहायता मिलती है।
४. तूफान, त्सुनामी, बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं के विषय में पूर्व अनुमान हो सकता है।
५. स्वास्थ्य, शिक्षा तथा समाज की अच्छी घटनाओं तथा परिस्थितियों के विषय में जागरूकता उत्पन्न होती है।
६. लोगों के लिए चलाई जाने वाली सरकारी योजनाओं को सफल बनाने में सहायता मिलती है।
७. भोजन, वस्त्र, निवास, स्वास्थ्य तथा शिक्षा के संबंध में जानकारी प्राप्त होती है। इससे जीवन शैली में सुधार होता है।
८. प्रसार माध्यमों के कारण व्यापार, उद्योग-धंधों में वृद्धि होती है।

प्रसार माध्यमों के हानिकारक प्रभाव

१. दूरदर्शन, संगणक तथा मोबाइल का अत्यधिक उपयोग करने से आँखें, पीठ तथा कान की

बीमारियाँ होती हैं। मनोविकार, अकेलापन बढ़ना आदि शिकायतों की भी संभावना रहती है।

२. दूरदर्शन चैनल तथा इंटरनेट द्वारा अनेक प्रकार की जानकारी मिलती है परंतु जानकारी का दुरुपयोग करके समाज की शांति तथा स्वास्थ्य बिगाड़ने की घटनाएँ भी घटित होती हैं।
३. प्रसार माध्यमों के विभिन्न कार्यक्रम देखने में समय नष्ट करने से मैदानी खेल तथा शारीरिक क्षमता की उपेक्षा होती है। इसका बुरा प्रभाव शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ता है।

अब क्या करना चाहिए ?



पाँचवीं कक्षा में पढ़ने वाला आमोद विद्यालय से घर आते ही हमेशा संगणक पर भिन्न-भिन्न संकेत स्थल (साइट) देखता है। टीवी के मनपसंद कार्यक्रम भी देखने से नहीं चूकता। माँ के मोबाइल पर गेम खेलता है। हमेशा घर में बैठा रहता है। इन दिनों उसे भूख कम लगती है। नींद भी बहुत आती है। उसका वजन भी बहुत बढ़ गया है।



आमोद की माँ को उसकी बहुत चिंता रहती है। वह कैसे दूर होगी ?

इसे सदैव ध्यान में रखो !



संचार तथा सूचना प्रसारण के साधनों का विवेकपूर्वक उपयोग करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि इन साधनों का अत्यधिक उपयोग न हो।

क्या तुम जानते हो ?



दृक्-श्राव्य संचार - दूरभाष (दूरध्वनि) अथवा मोबाइल पर दूसरों के साथ बातचीत करते समय हम एक-दूसरे को देख नहीं सकते। सूचना प्रसारण की नई तकनीक के कारण मोबाइल पर अब यह संभव हो गया है। इस कारण दूसरे व्यक्ति के साथ संभाषण करते समय हम उसे देख सकते हैं।

हमने क्या सीखा ?



- संचार साधनों का परिचय।
- संचार के लिए अंतरिक्ष प्रक्षेपण की तकनीक प्रणाली।
- प्रसार माध्यम के साधनों का परिचय।
- प्रसार माध्यमों से लाभ और हानियाँ।

स्वाध्याय

१. प्रसार माध्यमों के शैक्षिक उपयोग लिखो।
२. दूरभाष (दूरध्वनि) के उपयोग के पहले संदेश भेजने के लिए किन साधनों का उपयोग किया जाता था ?
३. संगणक के कारण तुम्हारे जीवन में कौन-सा परिवर्तन हुआ ?

२. आकाशवाणी केंद्र जाकर वहाँ के कामकाज के विषय में जानकारी प्राप्त करो।
३. नेशनल जिओग्राफी, डिस्कवरी, ज्ञानदर्शन आदि चैनलों के शैक्षिक कार्यक्रमों की कक्षा में चर्चा करो।

* * *

उपक्रम :

१. दूरदर्शन सेट पर भिन्न-भिन्न चैनलों के माध्यम से तुम्हें जो-जो जानकारी मिलती है, उसे नीचे दिए अनुसार तालिका बनाकर कॉपी में लिखो :

अ.क्र.	चैनल का नाम	कार्यक्रम का नाम	उपयोग
१.			
२.			
३.			

